

Written by मेरी बटिया संवाददाता
Monday, 15 January 2018 05:30

: 00 0000 000000 000 00 **914** 00000000 00 0000 000000, 00 0000 0000 00 00000000
00 0000 : 00 **-11** 0000 0000 00000000 **834** 00, 00 **-16** 0000 **900** : 00000 00000 000000000 00
0000 00000000 00 00000 00000 00000000 0000 00000 000000000 00 000000 00 00000 00
00000000 :



0000 0000000 00000000000

00000000 : अभी चंद पहले ही हरियाणा का नाम सुनते ही लोगों की नजर में कन् याओं की हत् याओं और उनके मन-मस्तुषि कमें बच्चियों के खून-खच् चर का ही डरावना सपना दीखता था आम तौर पर पूरे देश में हरियाणा के नहियायत घटिया और पुत्री-हंता के तौर पर मशहूर माना जाता था इस वदिरूप दृश् य तब हाहाकर मचा गया, जब हरियाणा के क मंत्री ने यह बयान दिया कि हमारे राज् य में बेटियों की संख् या कम है, इसलिये हम अपने पुरूषों की शादी केलिये बिहार की कन् याओं से करने का वचिार कर रहे हैं यह बयान आते ही हरियाणा की छीछालेदर शुरू हो गयी थी

लेकिन आज हरियाणा में चमत् कर हो चुका है भारी कन् या भ्रूण-हत् या और कन् या उपेक्षा के भाव के चलते हरियाणा के चेहरे पर जो क्लंकचस् पा हुआ करता था, वहां अब कन् याओं की क्लिकरियां गूंज रही हैं खुशखबरी इस बात की है कि हरियाणा ने अपनी शक् ल पर पुती क्लखि के धो-पोंछ दिया है और हालत यह है कि महज छह बरस में ही हरियाणा के कन् या संख् या प्रती हजार पुरूषों के मुकबले **914** तक पहुंच गयी है अनुमान है कि आने वाले चंद बरसों में यह संख् या क हजार से भी ऊपर नक्लि सकती है

कन् याओं के इस साल लगानुपात में कफ़े सुधार देखने के मलिया है सरकारी आंकड़ों के मुताबकि साल **2017** में लगानुपात प्रती **1000** लड़कें पर **914** लड़कियों का रहा बता दें, साल **2016** में यह **900** था, वहीं साल **2015** में यह केवल **876** था राज्य के **17** जिलों में **900** या उससे ज्यादा का आंकड़ा देखने के मलिया है वहीं कफ़ी भी जलिये में लगानुपात का आंकड़ा **880** से कम नहीं है साल **2011** से राज्य में लगानुपात के आंकड़ों में सुधार देखने के मलिया है साल **2011** में राज्य में प्रती **1000** लड़कियों पर **834** लड़के थे इसके बाद से हर साल लगानुपात के आंकड़ों में सुधार देखने के मलि रहा है साल **2017** में राज्य में **5,09,290** बच्चों का जन्म हुआ इनमें **2,66064** लड़के और **2,43,226** लड़कियों शामिल हैं

Written by मेरी बटिया संवाददाता
Monday, 15 January 2018 05:30

जिलावार आंकड़े

सिंगानुपात के आंकड़ों की लिस्ट में पानीपत जिला सबसे ऊपर है। पानीपत प्रति 1000 लड़कियों पर 945 लड़कों के साथ सबसे ऊपर है तो वहीं यमुनानगर 943 आंकड़ा के साथ दूसे नंबर पर मौजूद है। नीचे दी गई लिस्ट में देखें किस जिले में क्या है सिंगानुपात का आंकड़ा।

जिला साल 2017 के आंकड़े साल 2011 के आंकड़े

पानीपत	945	861
यमुनानगर	943	877
सोनीपत	935	853
फिरोजा	928	896
अंबाला	925	882
कुरुक्षेत्र	924	889
कल्याण	923	886
हिसार	921	871
झज्जर	920	861
पलवल	914	849
भिवानी	913	884
पंचकुला	910	870
फतेहाबाद	909	903
मेवात	908	906
फरीदाबाद	907	871
गुरुग्राम	901	853
कैथल	900	880
जिंद	898	870
रेवाड़ी	893	898
रोहतक	891	868
नारनौल	881	